Roll No. .....

E–861(S)

M. A. (Fourth Semester) (Main/ATKT) EXAMINATION, Dec.-Jan., 2020-21

HINDI

Paper Fifth

(हिन्दी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 80*

नोट : निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिए। एक खण्ड के सभी उत्तर एक ही स्थान पर क्रमवार लिखिए। खण्ड 'स' का प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

खण्ड–अ प्रत्येक 1

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केशवदास रचित ग्रन्थ का नाम :
   (अ) रसप्रिया
   (ब) रसिकप्रिया
   (स) रासप्रिया
   (द) प्रियारासो

2. स्वच्छंदतावाद किस विचारधारा की विरोधी विचारधारा है ?
   (अ) संरचनावाद
   (ब) मार्क्सवाद
   (स) शास्त्रीयतावाद
   (द) अभिव्यंजनावाद

3. विरेचन और त्रासदी का सम्बन्ध किस विचारक से है ?
   (अ) सार्त्र
   (ब) मैथ्यू आर्नाल्ड
   (स) अरस्तू
   (द) प्लेटो

4. 'विभानुभाव, व्यभिचारि, संयोगात् रसनिष्पतिः।' यह कथन किन आचार्य का है ?
   (अ) मम्मट
   (ब) भरतमुनि
   (स) कुंतक
   (द) दण्डी

5. शांत रस का स्थायी भाव है :
   (अ) प्रेम
   (ब) शम, निर्वेद
   (स) रति
   (द) हास

6. 'चिन्तामणि' के लेखक है :
   (अ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
   (ब) आचार्य नंददुलारे बाजपेयी
   (स) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   (द) आचार्य नगेन्द्र

7. फ्रायड के चिन्तन से साहित्य की कौन-सी आलोचना पद्धति प्रभावित है ?
   (अ) प्रभाववादी समीक्षा
   (ब) मनोविश्लेषणवादी समीक्षा
   (स) शास्त्रीय समीक्षा
   (द) समाजवादी समीक्षा

8. 'नई कविता' पुस्तक के लेखक/समीक्षक हैं :
   (अ) आचार्य नगेन्द्र
   (ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   (स) आचार्य रामविलास शर्मा
   (द) आचार्य नंददुलारे बाजपेयी

9. अस्तित्ववाद का सम्बन्ध इनमें से किस विचारक से है ?
   (अ) कीर्केगार्द
   (ब) रिचर्ड्स
   (स) वर्ड्सवर्थ
   (द) शेली

10. मार्क्सवाद के प्रणेता विचारक का नाम :
   (अ) लुकाच
   (ब) ग्राम्शी
   (स) कार्ल मार्क्स
   (द) डॉ. रामविलास शर्मा

11. हिन्दी आलोचना का सम्यक् विकास किस काल में सर्वमान्य है ?
   (अ) भक्तिकाल
   (ब) रीतिकाल
   (स) भारतेन्दु काल
   (द) द्विवेदी काल

12. हिन्दी साहित्य में द्विवेदी युग की मान्यता हैं :
    (अ) हिन्दी के शुद्धीकरण और संस्कार के लिए
    (ब) सामाजिक चिन्तन के लिए
    (स) आदर्श के लिए
    (द) देशभक्ति के लिए

13. आचार्य नंददुलारे बाजपेयी ने इस काल से ..... तक के साहित्य की समीक्षा की।
    (अ) भक्तिकाल से रीतिकाल तक
    (ब) स्वच्छंदतावाद से नई कविता तक
    (स) छायावाद से नई कविता तक
    (द) स्वच्छंतावाद से मार्क्सवाद तक

14. 'पोयटिक्स' के रचनाकार कौन थे ?
    (अ) प्लेटो
    (ब) अरस्तू
    (स) शेली
    (द) सार्त्र

15. उदात्त सिद्धान्त के प्रणेता हैं :
    (अ) हॉरेस
    (ब) लोन्जाइनस
    (स) क्रोचे
    (द) मैथ्यू आरनॉल्ड

16. 'रसात्मक वाक्यं काव्यम्' किस आचार्य का कथन है ?
    (अ) आचार्य दण्डी
    (ब) पंडितराज जगन्नाथ
    (स) आचार्य विश्वनाथ
    (द) भरतमुनि

17. आचार्य मम्मट किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य हैं ?

(अ) वक्रोक्ति

(ब) ध्वनि

(स) रस

(द) अलंकार

18. 'साहित्यलहरी' के रचनाकार कौन हैं ?

(अ) तुलसीदास

(ब) सूरदास

(स) आचार्य विश्वनाथ

(द) आचार्य नगेन्द्र

19. इनमें से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का ग्रन्थ कौन-सा है ?

(अ) नाट्यशास्त्र

(ब) रस मीमांसा

(स) हिन्दी साहित्य का आदिकाल

(द) सूरदास

20. प्रतिभा किसका भेद है ?

(अ) काव्य हेतु

(ब) काव्य प्रयोजन

(स) काव्य लक्षण

(द) काव्यालंकार

खण्ड—ब प्रत्येक 2

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए।

1. 'हिन्दी मीमांसा' में समीक्षा शब्द का तात्पर्य लिखिए।
2. शास्त्रीयतावाद का मूल क्या है ?
3. हिन्दी की शब्दशक्तियों के नाम लिखिए।
4. मनोविश्लेषणवाद का आधार क्या है ?
5. काव्य की आत्मा का क्या अर्थ है ?
6. अरस्तू और प्लेटो ने किस एक विषय पर विचार व्यक्त किए ?
7. आचार्य नंददुलारे बाजपेयी के दो समीक्षा ग्रन्थों के नाम लिखिए।
8. स्वच्छंदतावाद के कोई दो लक्षण लिखिए।
9. अधोलिखित में से किसी एक अलंकार का उदाहरण लिखिए :
   (अ) यमक
   (ब) श्लेष
10. 'रीति' को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर 75 शब्दों में लिखना है।

I. हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन
   जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन,

संग-सौध में हो शृंगार मरण का शोभन,

नग्न क्षुधातुर बाग-विहीन रहे जीवन जन,

मानव! ऐसी विरक्ति क्या जीवन के प्रति,

आत्मा तथा अपमान, प्रेत और छाया से रति

प्रेम अर्चना यही करें हम मरण को वरण,

स्थापित कर कंकाल भरें जीवन का प्रांगण। 5

II. 1. शैली वैज्ञानिक समीक्षा पद्धति को स्पष्ट कीजिए। 3

2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की समीक्षा कीजिए। 3

3. उत्तर आधुनिकतावाद का परिचय दीजिए। 3

4. तुलनात्मक समीक्षा क्या है ? 3

5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की समीक्षा की विशेषताएँ लिखिए। 3

6. काव्य प्रयोजन का अर्थ लिखिए। 3

7. संरचनावाद का परिचय दीजिए। 3

8. काव्य हेतु क्या है ? 3

खण्ड—द प्रत्येक 5

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर 150 शब्दों में लिखिए। प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

1. आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अभिजात्यवाद पर टिप्पणी लिखिए।

2. आचार्य नंददुलारे बाजपेयी अथवा डॉ. रामविलास शर्मा की समीक्षा दृष्टि को रेखांकित कीजिए।

3. सौन्दर्यशास्त्रीय समीक्षा अथवा शास्त्रीय समीक्षा को स्पष्ट कीजिए।

4. हिन्दी साहित्य और अभिजात्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लक्षण ग्रन्थ परम्परा पर प्रकाश डालिए।